जरूरत नहीं है । यह तो एक लंगड़ा बहाना है । तो मैं उनसे जानना चाहूंगा कि जल्दी से जल्दी अगर कोई टिकट वक्त पर जारी न की जाए, जैसे कि शहीदे आज़म भगत सिंह का जन्म दिन 23 मार्च है, अगर उस वक्त यह टिकट जारी न की जाए और आगे-पीछे जारी की जाए तो फिर क्या बात है ?

श्री सुख राम : सभापति जी, जो भी सुझाव हमें आते हैं, चाहे वह माननीय सदस्यों के हों या किसी इंस्टीट्यूशन के हों, उन सुझावों को हम फिलैटलिक एडवाइज़री कमेटी के सामने रखते हैं और उसमें चाहे वह पर्सनेलिटी है, इंस्टीट्यूशन है या फ्लोरा, फौना वगैरह है, उसके ऊपर हम डाक-टिकट जारी करते हैं। मगर उसके लिए गाइडलाइंस दी हुई हैं और जो एडवाइज़री कमेटी है, वह गाइड लाइंस पर चलती है । आप माननीय सदस्य अगर चाहें तो मैं यहां भी पढ़ देता हूं, लेकिन मैं सदन का समय बर्बाद नहीं करना चाहता, आपको उसकी प्रति-लिपि भेज दूंगा । उसके अनुसार वह करते हैं । और जो आपने प्रताप सिंह कैरों की बात की, मुझे यालमात् नहीं है क्योंकि अभी तक जो रिकार्ड मेरे पास है, उसमें उनका नाम नहीं है । उसमें अगर आप उनका नाम देंगे तो हम विचार करेंगे । सरदार भगत सिंह, और मेरे पास जो सूचना है उसके अनुसार शहीद उधम सिंह, मदन लाल ढींगरा का तो डाक टिकट इश्यू आलरेडी हो चुका है । और अगर आपके कोई सुझाव हों, उनको आप रखिए, उन पर जरूर विचार करेंगे और आपको समय पर इन्फार्म भी करते रहते हैं जो कि स्पांसर करते हैं उनके नाम ।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : सभापति महोदय, आपको बहुत बहुत धन्यवाद । जैसा कि मालवीय जी ने अभी कहा था, जहां तक भारती भवन पुस्तकालय का संबंध है, उसने उत्तर प्रदेश और उत्तर भारत की सांस्कृतिक चेतना, राजनैतिक चेतना, राज-नैतिक जागृति और वहां के सामाजिक जितने भी उत्थान हुए है, वे संबंधित रहे हैं । मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि अभी तक मंत्री महोदय को उसके संबंध में मेटिरियल उपलब्ध नहीं हो सका क्या है। उन्होंने इन्फारमेशन एण्ड ब्राडकास्टिंग मिनिस्ट्री से, मिनिस्टर साहब उनके पीछे बैठे हुए हैं, उनसे यह जानने की कोशिश की है कि उनके मंत्रालय के पास इस संबंध में उपयुक्त सामग्री उपलब्ध है या नहीं ? क्योंकि इसकी शताब्दी के समय उन्होंने एक स्पेशल फीचर भारत भवन पुस्तकालय के संबंध में दिखलाई थी । क्या कोई प्रयत्न किया गया है इस प्रकार का सामंजस्य बैठाने का दोनों मंत्रालयों के बीच में ?

श्री सुख राम : सभापति जी, जैसा मैंने कहा कि इस संबंध में जो फोटो प्रिंट और जो आर्ट वर्क भेजे गए, वे ठीक नहीं पाए गए और उस वजह से इसका जो डिजाइन था, वह ठीक नहीं बन रहा था, इस वजह से . . . (**व्यवधान**)

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : सभापति जी, मैं तो जानना चाहता हूं कि इन्फार-मेशन एण्ड ब्राडकास्टिंग मिनिस्ट्री के पास जो मेटिरियल था, जो उन्होंने अपने फीचर में दिखाया था, उसे आप क्यों नहीं प्राप्त कर सके ?

श्री सुख राम : हां, मैं ब्राडकास्टिंग मिनिस्ट्री से सम्पर्क करूंगा और अगर उनके पास आर्ट का कोई ऐसा प्रिंट वगैरहा या कोई फोटो वगैरहा उपलब्ध हों तो उनसे मदद लेने की कोशिश करूंगा ।

Loan for Self employment

*104. SHRI G. G. SWELL:†
SHRI CHIMANBHAI MEHTA:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) what are the reasons that the target of beneficiaries under loan for self-employment for educated unemployed was brought down from 2.50 lakhs in 1983-84 to 1.25 lakhs in 1991-92 and the reasons that the actual beneficiaries were sizeably less than targetted figures;

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri G G. Swell.

(b) what are the reasons for a change is not effected in eligibility criteria for getting loans for self-employment to educated unemployed youth in view of prices having almost tripled since the original criteria was fixed ,at Rs. 10,000 per family income per annum;

(c) what are the guarantees that loanees have to provide and what interest is charged for loans; and

(d) what amount has been recov ered so far out of the loans disbursed under the above scheme?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० अबरार अहमद) : (क) से (घ) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) शिक्षित बेरोजगार युवकों को स्वरोजगार प्रदान करने की योजना के अंतर्गत सरकार चुने हुए हिताधिकारियों को परियोजना लागत के 25 प्रतिशत की दर पर सब्सिडी प्रदान करती है। तदनुसार, हिताधिकारियों के लक्ष्य को योजना के बजट प्रावधान के साथ जोड़ा जाता है। निम्नलिखित सारणी में कुछ प्रतिनिधिक वर्षों के लक्ष्यों और उस अवधि के दौरान [illegible]

विवरण

वर्ष	लक्ष्य (संख्या लाखों में)	स्वीकृत मामलों की संख्या (लाखों में)	लक्ष्य के मुकाबले प्रतिशत उपलब्धि
1983-84 . . .	2.50	2.42	97
1987-88 . . .	1.50	1.20	96
1988-89	2.50	1.92	77
1989-90 . . .	1.25	1.07	85
1990-91 . . .	1.25	1.01	81
1991-92	1.29	0.94	73

(ख) इस योजना के अंतर्गत उधारकर्ताओं की पारिवारिक आय की अधिकतम सीमा के संशोधन पर उद्योग मंत्रालय में विकास आयुक्त, लघु उद्योग द्वारा विचार किया जायेगा।

(ग) इस योजना के अंतर्गत, उधारकर्ता को ऋण के लिए कोई सम्पार्श्विक प्रतिभूति या अन्य पक्ष की गारंटी नहीं देनी होती है। बैंक ऋण से सृजित परिसम्पत्तियां ही बैंक के लिए जमानत होंगी। बैंकों द्वारा इस योजना के अंतर्गत ऋणों पर ब्याज भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित उधार दरों की अनुसूची के अनुसार वसूल किया जाता है। उधार दरें ऋण के आकार के साथ जोड़ी जाती है और निम्नानुसार है :—

ऋण सीमा का आकार	उधार दर (% वार्षिक)
25,000/-रु० तक और उसके सहित	12.0
25,000/-रु० से अधिक और 2 लाख रुपए तक	16.0
2 लाख रु० से अधिक	16.0 (न्यूनतम)

(घ) इस योजना के अन्तर्गत मांग के मुकाबले वसूली का प्रतिशत जून, 1991 के अन्त तक 21.90 प्रतिशत और जून, 1992 के अन्त तक 24.09 प्रतिशत था।

SHRI G. G. SWELL: Sir, there is a Government in this country. I wonder whether there is any governance. Almost all the branches of the State Bank of India in Nagaland have been closed down. The people have fied and gone. A question was asked. That you know, Sir. And the answer given was: "The information is being collected." Now, this answer here also bespeaks of the same innocence and illogiqality. We accept the premise that the population of this country is increasing. We accept the premise that the number of educated unemployed in this counljry is increasing. Our colleges are bursting at the seams. Young people have been turned away from the colleges every year. And here by your own statement, whereas in the year 1983-84 the target for assistance *to* the educated unemployed was 2.5 lakhs in the year 1991-92 the figure comes down to 1.29 lakhs. I would like to know the logic behind this sharp decrease. While the population is increasing, while the number of educated unemployed is increasing, your target is decreasing ,and the decrease is sharpening.

डा. अबरार अहमद : सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने यह बात कही कि जनसंख्या बढ़ रही है, यह सही है। शिक्षित लोगों की संख्या भी बढ़ रही है, वह भी सही है। लेकिन इस योजना के अंदर लक्ष्य कम होने का मुख्य कारण यह है कि एक प्लांस स्कीम है और लांस स्कीम के अंदर जो लक्ष्य कम किया गया है उसका मुख्य कारण बजट का कम आबंटन है और इसमें बजट का जो आबंटन होता है वह प्लानिंग कमीशन के माध्यम से होता है और जो संसाधन हैं, प्लानिंग कमीशन उनकी पर्याप्तता को देखकर के बजट एलोकेशन करता है। तो उन संसाधनों की कमी होने के कारण और भी जहां तक रोजगार की बात माननीय सदस्य ने कही, तो सिर्फ यही योजना रोजगार के लिए नहीं है। जो भी शिक्षित बेरोजगार हैं या दूसरे प्रकार के रोजगार चाहने वाले व्यक्ति हैं, उनके लिए और भी बहुत सी योजनाएं हैं। लेकिन इसमें लक्ष्य कम होने का कारण तो यही है। दूसरी बात, जो लक्ष्य से काम प्राप्ति हुई है, उसके कुछ अन्य कारण हैं। मैं माननीय सदस्य को यह बताना चाहूंगा और उसमें खास तौर से बैंक द्वारा जो ऋण दिया जाता है वह व्यवहारिक काम के लिए या जो सुदृढ़ प्रोजेक्ट हैं, उसी के लिए दिया जाता है। इसके साथ-साथ उन लोगों को ऋण नहीं दिया जाता जो पहले कभी डिफाल्टर रहे हैं। इसके कारण भी लक्ष्य कम ही रहे हैं। जिला उद्योग केन्द्रों की जो भूमिका रही है उसके अदर भी कुछ कमियां रही हैं। जैसे, जो भी बेनिफिसरीज हैं उसके चुनाव में देरी होना या तो व्यवसायिक गतिविधि हैं उसका चयन करने में देरी होना, स्कीम के तैयार करने में देरी होना, यह भी कारण उसमें रहे हैं। इसके अतिरिक्त आवेदकों द्वारा कुछ औपचारिकताएं पूरी करनी पड़ती हैं, उसके अदर भी देरी होना भी एक कारण इसके अन्दर रहा है। दूसरी बात माननीय सभापति महोदय, इसमें मैं यह भी कहना चाहूंगा कि इसमें जो ऋण दिया गया है उसके अदर रिकवरी की परसटेज इतनी कम रही है कि जितने भी हमारे प्रायोरिटी सैक्टर या अन्य सैक्टरों में ऋण दिया गया है उसके अदर जहां 1989 में 67 परसेंट और 1990 में 48 परसेंट.... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please make it shorter. It is reply to a question.

डा. अबरार अहमद : ओनली, मैं रिकवरी के बारे में बतला रहा था कि इसके अन्दर जो रिकवरी है वह 20 से 25 परसेंट के बीच में रही है।

SHRI G. G. SWELL: Long win-dedness of the answer is itself no answer. He has not answered my question, Sir.

MR. CHAIRMAN: Second Supplementary then.

SHRI G. G. SWELL: You know that inflation is going on and yet the standard of monetary assistance is restricted to Rs. 10,000 per family. While the inflation has gone up, what is the logic of maintaining the same amount?

डा. अबरार अहमद : मैं माननीय सदस्य को बतलाना चाहूंगा कि रेट आफ इंटरेस्ट . . . . (व्यवधान)

SHRI M. D. SALIM: Mr. Chairman, Sir, we want a half-an -hour discussion on this question which per. taine to unemployment and unemployed youth.

MR. CHAIRMAN: Plesae give a notice.

SHRI MD. SALIM: Thank you, Sir.

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over

WRTTTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Promoting Dish-Antenna sales on Doordarshan

*105. SHRI RAJNI RANJAN SAHU:
SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government have asked dish-lantenna manufacturers to slash prices of their products in return for promoting dish-antenna sales on Doordarshan free of cost; and

'(b) if so, what has been the response of the manufacturers thereto alongwith Government's policy in regard thereto?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. P. SINGH DEO): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Seizure of Marijuana in Nagaland

*106. SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:

Will he Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether contraband marijuana weighing over 10,000 kg. worth Rs. 1000 crores and 850 gm. of heroin had been seized in May last in Nagaland;

(b) if so, what are the details of the persons apprehended and whether any smugglers gang has been unearthed in connection therewith in-dicatig their modus operandi; and

(c) what effective steps have been and are being taken in the light thereof to curb such (activities?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M. V. CHANDRASHEKHAR MURTHY): (a) to (c) 111202 kgs. of Ganja (Marijuana) was seized inlfour cases in Nagaland during February, 1993 (not May, 1993). No precise Valuation of narcotics, often of indeterminate purity and liable for destruction is feasible. Also, in March, 1993 (not May, 1993) 850 Gms. of heroin was seized in one case oft Nagaland.

In the first case in which 222 Kgs. of ganja was seized on 19-2-93, two persons belonging to Manipur were arrested. The seized ganja was being carried packed in gunny bags in an Ambassador car.